शब्द–ब्रह्म

भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका

E ISSN 2320 – 0871

17 सितम्बर 2016

पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

कर नियोजन के उद्देश्य से वेतनभोगी करदाताओं में विनियोग की प्रवृत्ति का विश्लेषणात्मक अध्ययन

*डॉ.कमलेश भण्डारी (निर्देशक)

**वीनस शाह (शोधार्थी)

*प.म.ब.गुजराती वाणिज्य महाविद्यालय

**एम.के.एच.एस.गुजराती कन्या महाविद्यालय

इन्दौर, मध्यप्रदेश, भारत

शोध संक्षेप

'कर नियोजन एक वैधानिक एवं नैतिक तरीका है' जिसे सही दिशा में अपनाकर वेतनभोगी करदाता कर-दायित्व को न्यूनतम कर सकता है। सामान्यतः वेतनभोगी करदाता अपनी बचत को ऐसी योजनाओं में विनियोग करने का प्रयास करते हैं, जिससे उन्हें प्रतिफल में ब्याज या लाभांश प्राप्ति के साथ आयकर भुगतान में भी छूट प्राप्त होती है। भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 के अंतर्गत ऐसी योजनाएं हैं, जिनमें वेतनभोगी करदाता अपनी बचत विनियोजित कर आयकर में छूट प्राप्त कर सकता है। प्रस्तुत शोध पत्र में उपर्युक्त सभी पहलुओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है।

प्रस्तावना

कर नियोजन का मूल लक्ष्य कर दायित्व को न्यूनतम करना होता है। आयकर अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों का पालन करते हुए उनमें दी गयी छूटों, कटौतियों एवं प्रेरणाओं का लाभ उठाकर दायित्व को न्यूनतम करना ही कर नियोजन है, यह एक कानून सम्मत बौद्धिक एवं दूरदर्शिता पूर्ण कार्य है। वर्तमान में वेतनभोगी करदाता पर करों का भार बढ़ता जा रहा है, परंतु वह कर नियोजन का सही दिशा में सही तरीके से उपयोग कर अपनी बचत को विनियोग कर लाभ प्राप्त कर सकता है। प्रस्तुत शोध पत्र में शोधार्थी ने इसी पर प्रकाश डाला है।

अध्ययन का उद्देश्य

प्रस्तुत शोध पत्र में अध्ययन के उद्देश्य निम्नानुसार हैं:

1 वेतनभोगी कर दाताओं की विनियोग प्रवृत्ति को जानने का प्रयास करना।

2 कर नियोजन के उद्देश्य से वेतनभोगी करदाता अपनी बचत को किन योजनाओं में विनियोजित करते हैं।

अध्ययन की विधि

शोधार्थी द्वारा शोध पत्र में प्राथमिक और द्वितीयक दोनों समंकों का समुचित उपयोग किया गया है। प्राथमिक समंकों का संग्रह प्रश्नावली के माध्यम से किया गया है एवं द्वितीय समंकों को विषय से संबंधित पुस्तकों से एकत्रित किया गया है, ताकि अध्ययन के सही निष्कर्ष तक पहुंचा जा सकते। इसके लिए सांख्यिकी पद्धतियों में बहुगुणी सहसंबंध का प्रयोग कर परिकल्पना की सत्यता की जांच की गई है।

शब्द–ब्रह्म
E ISSN 2320 – 0871
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका
17 सितम्बर 2016
पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

अध्ययन की परिकल्पना

प्रस्तुत शोध पत्र में एक शून्य और एक वैकल्पिक परिकल्पना स्थापित की गई है, जो इस प्रकार है:

1 H01 कर नियोजन के उद्देश्य से वेतनभोगी करदाता में विनियोग की प्रवृत्ति नहीं बढ़ी है।

2 H11 कर नियोजन के उद्देश्य से वेतनभोगी करदाता में विनियोग की प्रवृत्ति बढ़ी है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में देखा गया है कि वेतनभोगी करदाता अपनी बचतों को उन योजनाओं में विनियोग करने का प्रयास करते हैं, जिससे उन्हें प्रतिफल में ब्याज या लाभांश की प्राप्ति के साथ आयकर के भुगतान में छूट प्राप्त हो सके।

भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 के अंतर्गत ऐसी योजनाएं हैं, जिनमें करदाता अपनी बचत को विनियोजित कर आयकर से छूट प्राप्त कर सकता है, जो इस प्रकार हैं:

1 जीवन बीमा प्रीमियम (एल.आई.सी.)

2 स्थगित वार्षिकी

3 प्राविडेंट फंड में अंशदान

4 केंद्र सरकार के पेंशन फण्ड में अंशदान

5 पोस्ट आफिस की पांच वर्षीय जमा योजना

6 सार्वजनिक भविष्य निधि में जमा

7 म्युच्युअल फण्ड में जमा इत्यादि।

उपर्युक्त योजनाओं में विनियोग कर वेतनभोगी करदाता अपने कर दायित्व में कमी कर सकता है एवं अधिकांश वेतनभोगी करदाता ऐसा करने का एक सफल प्रयास भी करते हैं।

शोधार्थी द्वारा शोध पत्र के अध्ययन में इन्दौर क्षेत्र के 500 वेतनभोगी करदाताओं का सोच-समझ के आधार पर चयन कर उनसे एक प्रश्नावली भरवाई गई, जिसमें प्रश्नों के माध्यम से यह जानने का प्रयास किया गया कि वेतनभोगी करदाता की वार्षिक आय, वार्षिक व्यय, वार्षिक बचत और बचत को सामान्य रूप से किन विनियोग योजना में विनियोजित करते हैं या आयकर में छूट प्राप्त करने के उद्देश्य से विनियोग करत है। क्या वह कर नियोजन की सहायता लेते हैं, यदि हां तो स्वयं कर नियोजन करते हैं या कर सलाहकार की सहायता से बचत को सही दिशा में विनियोजित कर लाभ प्राप्त करते हैं। इन सभी प्रश्नों के उत्तर प्रश्नावली के माध्यम से प्राप्त हुआ और उन समस्त प्राप्त आंकड़ों का तालिका बनाकर विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया।

कुछ महत्वपूर्ण प्रश्नों को यहां विस्तार से बताया गया है, जो निम्नलिखित हैं:

1 क्या आप अपनी बचत का विनियोग करते हैं:

क्रमां	विवरण	संख्या	%
1	विनियोग करते हैं	495	99
2	विनियोग नहीं करते हैं	05	1
	कुल	500	100

स्रोत: सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी के आधार पर स्वनिर्मित है।

सर्वेक्षण में सर्वेक्षित वेतनभोगी करदाताओं से प्राप्त जानकारी के अनुसार अधिकतम 99 प्रतिशत वेतनभोगी करदाता अपनी वार्षिक बचत का विनियोग करते हैं, मात्र 1 प्रतिशत वेतनभोगी करदाता अपने द्वारा की गयी बचत का विनियोग नहीं करते हैं।

2 क्या आपके द्वारा कर नियोजन किया जाता है:

क्रमांक	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1	हाँ सदैव	315	63
2	कभी-कभी	54	10.8
3	सुविधानुसार	73	14.6
4	नहीं किया	58	11.6
	कुल	500	100

शब्द–ब्रह्म

भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका

E ISSN 2320 – 0871

17 सितम्बर 2016

पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

स्रोत: सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी के आधार पर स्वनिर्मित है।

चयनित वेतनभोगी करदाताओं के सर्वेक्षण से स्पष्ट है कि अधिकतम 63 प्रतिशत करदाताओं के द्वारा सदैव कर नियोजन किया जाता है। 11.6 प्रतिशत वेतनभोगी करदाताओं के द्वारा कर नियोजन नहीं किया जाता है, 14.6 प्रतिशत करदाता सुविधानुसार कर नियोजन करते हैं तथा 10.8 प्रतिशत करदाता कभी-कभी कर नियोजन करते हैं।

3 कर नियोजन का प्रयोग कर क्या आप आयकर में बचत का प्रयास करते हैं:

कर नियोजन की सहायता से आयकर में बचत

क्रमांक	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1	हाँ सदैव	303	60.6
2	कभी-कभी	40	8.0
3	सुविधानुसार	86	17.2
4	नहीं किया	71	14.2
	कुल	500	100

स्रोत: सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी के आधार पर स्वनिर्मित है।

सर्वेक्षित वेतनभोगी करदाता से प्राप्त जानकारी के आधार पर सर्वाधिक 60.6 प्रतिशत वेतनभोगी करदाता कर नियोजन की सहायता से सदैव आयकर में बचत का प्रयास करते हैं, 17.2 प्रतिशत करदाता सुविधानुसार आयकर में बचत करते हैं। वहीं 14.2 प्रतिशत वेतनभोगी करदाता द्वारा कर नियोजन की सहायता से आयकर में बचत का प्रयास नहीं किया जाता है तथा 8 प्रतिशत वेतनभोगी करदाता द्वारा कभी-कभी आयकर में बचत का प्रयास किया जाता है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध अध्ययन में सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया और उससे प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर शोध पत्र में स्थापित परिकल्पना की सत्यता की जांच के लिए सांख्यिकी की बहुगुणी सह-संबंध परीक्षण पद्धति का प्रयोग किया गया।

परिकल्पना का सत्यापन

a कर नियोजन के उद्देश्य से वेतनभोगी करदाताओं में विनियोग की प्रवृत्ति नहीं बढ़ी है

b कर नियोजन के उद्देश्य से वेतनभोगी करदाताओं में विनियोग की प्रवृत्ति बढ़ी है

तालिका अ

कर नियोजन एवं विनियोग निर्णय की विवरणात्मक सांख्यिकी

माध्य	प्रमाप	विचलन	N
विनियोग निर्णय	58.0261	8.54667	500
क्र नियोजन	14.2285	3.4170	500

तालिका ब

क्र नियोजन एवं विनियोग निर्णय में सह संबंध

		विनियोग निर्णय	कर नियोजन
कार्ल पियर्सन	विनियोग विधि	1000	.449
सह संबंध	कर नियोजन	.449	1000
सार्थकता(1 Tailed)	विनियोग निर्णय	-	.000
	कर नियोजन	.000	-
N	विनियोग-निर्णय	500	500
	कर नियोजन	500	500

उपर्युक्त तालिका दर्शाती है कि विनियोग निर्णय एवं कर नियोजन के बीच में पियर्सन सह संबंध गुणांक का मूल्य R 0.499 है, जो P मूल्य .000 पर सार्थक है इसका मान 0.05 से कम है। अत: निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि विनियोग

निर्णय एवं कर नियोजन के बीच सार्थक संबंध है। साथ ही साथ सहसंबंध गुणांक का मान R औसत सकारात्मक सहसंबंध की ओर संकेत कर रहा है। अतः चरों (स्वतंत्र चर कर नियोजन) निर्भर चर (विनियोग की प्रवृत्ति) के बीच संबंध को प्रतिरूप बनाने के लिए प्रतिमान विश्लेषण कर प्रयोग कर सकते हैं।

तालिका स

कर नियोजन एवं विनियोग निर्णय पर माडल सारांश परिवर्तित सांख्यिकी

माडल	R	R वर्ग	समायोजित R वर्ग	आकलन की परमपित त्रुटि	परिवर्तित सांख्यिकी				
					परिवर्तित R वर्ग	परिवर्तित F	Df1	Df2	परिवर्तित F गुणांक
1	.419	.202	.202	7.64375	.202	125.602	1	497	.00

(a) प्राग्सूचक: (अचर मूल्य), कर नियोजन

तालिका द

कर नियोजन एवं विनियोग निर्णय पर एनोवा a

माडल	वर्गों का योग	DF	माध्य वर्ग	F	सार्थकता गुणांक
प्रतिमान	7338.515	1	7338.515	125.602	.000
शेष	29038.146	497	58.427		
कुल	36376.661	498			

a निर्भर चर: विनियोग निर्णय

b प्राग्सूचक: (अचर मूल्य), कर नियोजन

तालिका इ

कर नियोजन एवं विनियोग निर्णय पर गुणांक a (Co-efficient)

माडल	अमानकीकृत गुणांक		मानकीकृत गुणांक	T	महत्वपूर्ण सार्थक	95.0% कान्फीडेंस अन्तराल B के लिए	
(1)	B	प्रमापित त्रुटि	बीटा Beta			Lower Bound	Upper Bound
अचर मूल्य कर नियोजन	42.043	1.467 .100	.449	28.667 11.207	.000 .000	39.162 .962	44.92 1.32

a निर्भर चर: (विनियोग निर्णय)

उपर्युक्त माडल सारांश से स्पष्ट होता है कि बहुगुणी सहसंबंध गुणांक R= 0.44g, जो कि दो चरों के बीच रेखीय सहसंबंध गुणांक बताता है। यह मान पारस्परिक आत्मीयता को दर्शाता है। R^2 गुणांक की व्याख्या है, जो बहुगुणी सहसंबंध गुणांक का वर्गमान है।

समायोजित R^2 = 0.202 परिवर्तित R^2 भी 0.2000 है और यह मान सार्थक है, जो सभी समूहों की मजबूती के लिए विचारणीय है। गुणांक का निर्धारण R^2 = 0.202 है। अतः 20.2 % का

विचलन (बदलाव, परिवर्तन) यदि निर्भर चर (विनियोग निर्णय) में है तो स्वतंत्रचर कर नियोजन के कारण ही है।

एनोवा तालिका किसी भी निर्भर चर में बदलाव होने का संकेत देना है, एनोवा तालिका से स्पष्ट होता है कि सभी तीन मॉडल के लिए शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत किया गया है, साथ ही वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकृत किया गया है, जो यह दर्शाता है कि शून्य (0) मूल्य से 1 की तरफ है। साथ ही 5 % सार्थकता का लेवल (5 % level of significant) यह बताता है कि माडल गुणांक की सार्थकता शून्य से भिन्न है।

अन्य शब्दों में समग्र प्रतिमान की ढाल एवं रेखीय लाइन भी शून्य नहीं है और इसी कारण यह कहा जा सकता है कि भविष्य में विनियोग-निर्णय के लिए कर नियोजन बहुत उपयोगी है।

गुणांक तालिका की सहायता से प्रतिमान समीकरण स्पष्ट किया गया है, जो इस प्रकार है -

विनियोग की प्रवृत्ति = (42.043+1.123 कर नियोजन।

इस प्रकार कर नियोजन का प्रयोग कर वेतनभोगी करदाताओं की विनियोग की प्रवृत्ति में भी वृद्धि हुई व प्रस्तुत शोध पत्र के उद्देश्यों को प्राप्त करने का पूरा प्रयास किया गया।

संदर्भ ग्रंथ

1 रिसर्च मेथेडालाजी, डॉ..आर.एन.त्रिवेदी, डॉ..डी.पी.शुक्ला

2 शोध प्रविधि एवं क्षेत्रीय तकनीक, डॉ..बी.एम.जैन

3 आयकर विधान एवं लेखे, डॉ..एच.सी.मेहरोत्रा

4 भारतीय कर प्रणाली एवं आयकर विधान, श्रीपाल सकलेचा, नीतू जैन

5 विनियोग प्रबंध, डॉ..वी.सी.सिन्हा

6 कर नियोजन एवं प्रबंधन, श्रीपाल सकलेचा, अनिल सकलेचा

7 युवा निवेशकों के लिए वित्तीय योजना, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा प्रकाशित

8 सांख्यिकी के सिद्धांत, शुक्ल एवं सहाय